

### STAKEHOLDER CONSULTATION

To identify local stakeholders, a preliminary visit was made to Godawari Power & Ispat Limited on 21 Jan, 2009. Consequent to the discussion with official of HFAL, it was decided to organize the stake holder meeting on 05 Feb, 2009 at GPIL premises at 3:00 PM.

The various stakeholders viz. employees, contractual workers, people from nearby villages, locally elected representative, Government Officials were invited to attend the CDM stakeholder consultation meeting scheduled on 05 Feb, 2009.

On the eve of stakeholder consultation meeting, the following activities were undertaken under the chairmanship of Shri. Shailendra kumar Mishra, Chief Operating Officer, GPIL.

The presentation was divided in three parts. First, representative of GPIL made an introduction about the company and their environment and quality policies. Then an introduction of the 20 MW Biomass Power Plant was presented. Advantages of Biomass Power plant in comparison to the conventional coal based thermal power plant and environmental benefits were also delivered in the presentation. Last, representative of PE International made the presentation about the project activity; this consisted of an introduction to the Green House Effect, Global Warming, the Kyoto Protocol and the Clean Development Mechanism, CDM requirements, the meaning and objectives of the stakeholder consultation process, a description of the project activity, its expected emission reductions and environmental benefits. Then there was time for questions and information was given about the channels of information available for future comments and questions.

Finally, it was requested from the assembled stakeholders for their comments. No negative comments were received and all have welcomed the project.

Some of the clarifications sought by stake holders are as follows:-

The local population represented by village panchayat welcomed the project due to various benefits, such as development of infrastructure in the area, increase of income due to the supply of biomass residues and improvement in their standards of living. Query was raised about the availability of biomass and is there any negative impact on current usage of biomass?

Project proponent clarified that this biomass power project, which utilizes only surplus biomass residues available in the region, the project would not cause any negative socio-economic impacts on the local populace and would not result in any scarcity of biomass residues to other users.

Queries were also asked about the possibility of negative environmental impacts. It was clarified that all measures to mitigate environmental impacts have been proposed.



Since the project is located near the electrical substation for power evacuation and the transmission lines are planned along the road, problems of inconvenience to the populace would not arise. Moreover, the project participants have already discussed with various local populaces concerned in the region before applying for clearance.

The stakeholders also needed the following clarifications:-

- 1) Land requirement of the project.
- 2) Employment opportunities to the nearby villagers.

The queries were responded as follows:-

There is no land requirement as the project is implemented within the company premises. The project will contribute to sustainable development by utilizing surplus biomass for power generation saving the fossil fuel like coal and reducing environmental impacts of coal combustion such as emission of particulate matter, SO<sub>2</sub>, NO<sub>x</sub> and generation of fly ash which also lead to land degradation.

Regarding the second point, GPIL has committed to MoEF for contribution of 2% of CER towards the various community development activities. All new vacancies/employment opportunities created on account of the proposed project should be for youth from the local villages. It was clarified that most of the work would require technically skilled manpower. Such manpower if available with appropriate skills in the local villages would be given preference.



## बैठक का कार्यविवरण (मिनट्स ऑफ मीटिंग)

गोदावरी पावर एण्ड इस्पात लिमिटेड, ग्राम-सिलतरा, जिला-रायपुर (छ.ग.) में कुल 20 मेगावॉट सीडीएम आधारित बायोमास पावर प्लांट की स्थापना प्रस्तावित है। इस प्रोजेक्ट की जानकारी एवं सुझाव प्राप्त करने हेतु यह बैठक आज दिनांक 25-02-09 को ग्राम-सिलतरा में आयोजित की गई।

बैठक में कंपनी की ओर से श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्रा ने परियोजना के पर्यावरण प्रिय होने के संबंध में जानकारी दी। साथ ही उन्होंने बताया कि परियोजना के लागू होने से आसपास के किसानों के कृषि अपशिष्ट (बायोमास) का उपयोग होगा, जिससे किसानों को लाभ होगा तथा साथ ही साथ परियोजना के कारण कोयला का उपभोग बायोमास के बराबर मात्रा में कम होगा। इससे वातावरण में ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन कम होगा और वातावरण को गर्म होने से बचाने में मदद मिलेगी।

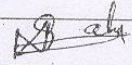

बायोमास आधारित परियोजना आर्थिक रूप से कोयला पर आधारित परियोजना से अधिक मंहगी है एवं तकनीकी रूप से भी जटिल है। परंतु पर्यावरण के संरक्षण एवं सीडीएम की सहायता को ध्यान में रखते हुए ही कंपनी इस परियोजना को कार्यान्वित करने वाली है।

श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्रा ने बताया कि इस परियोजना के लागू होने से जहां बायोमास का ईंधन के रूप में प्रचलन बढ़ेगा वहीं स्थानीय किसानों को उसके फसल अवशेष की अच्छी कीमत मिलेगी। साथ ही साथ स्थानीय स्तर पर रोजगार की संभावनाओं में बढ़ोत्तरी होगी।

अतः इस संबंध में आप सभी के विचार आमंत्रित है। सभा में निम्न ग्रामवासियों ने विचार प्रकट किए, जिनका संक्षिप्त वर्णन निम्न प्रकार है।

| क्र.सं. | हितधारक का नाम व पता  | प्रश्न/सुझाव   | हस्ताक्षर |
|---------|---|--|-----------|
| 1       | राजेश वर्मा<br>5/0 इंदूर जिला रायपुर<br>211म + फो. सिलतरा रायपुर              | परियोजना से किस प्रकार कोयले की बचत होगी?              | Premy     |
| 2       | विमल वर्मा 5/0 ल. पी. के. शर्मा<br>211म + फो. मिडर                            | स्थानीय रोजगार में कैसे वृद्धि होगी?                   | Wanna     |
| 3       | मुकेश कुमार 5/0 श्री<br>लक्ष्मण लाल वर्मा, 211म +<br>रेकरी, फो. सिलतरा रायपुर | स्थानीय लोगों को प्राथमिकता से रोजगार प्रदान किया जाए। | Omresh    |
| 4       | श्री पवन शर्मा<br>5/0 श्री ए. एल. शर्मा<br>पंच, 211म पंचायत, मिडर             | परियोजना के आसपास स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखा जाए      | Ram       |
| 5       | जिनेश कुमार वर्मा<br>5/0 ल. सिलतरा रायपुर - जनपद रायपुर<br>211म सिलतरा रायपुर | वृक्षारोपण को विशेष रूप से महत्व दिया जाए।             | Omresh    |



|   |  |   |   |
|---|--|---|---|
| 6 | श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्रा<br>30 वेड (11) सी.ए.<br>2151-2151                          | प्रदूषण को नियंत्रण में रखा जावे ।              |  |
| 7 | श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्रा<br>सी.ए. 30 वेड (11) सी.ए.<br>2151-2151, 40-316-11 (1) 316 | गांव के विकास हेतु कंपनी द्वारा सहायता की जाए । |  |

कंपनी की ओर से श्री शैलेन्द्र कुमार मिश्रा ने हितधारकों द्वारा उठाए गए प्रश्नों एवं सुझाव का स्वागत किया एवं निम्नानुसार उनका समाधान प्रस्तुत किया ।

1. कंपनी द्वारा पावर प्लांट की स्थापना की जानी है जो कि कोयला पर आधारित रखी जा सकती है । कोयला पर आधारित परियोजना अधिक विश्वसनीय तथा आसपास के क्षेत्र में कोयले की प्रचुर उपलब्धता के कारण अच्छा विकल्प है । परंतु सिर्फ सीडीएम को ध्यान में रखते हुए एवं पर्यावरण के प्रति अपनी उत्तरदायित्व को समझते हुए कंपनी कोयले के बजाए किसानों द्वारा उत्पादित बायोमास पर आधारित परियोजना लगा रही है, जिससे बायोमास के बराबर मात्रा में कोयले के उपयोग में बचत होगी ।
2. परियोजना के स्थापित होने से परियोजना में विभिन्न कार्यों के निष्पादन हेतु कुशल एवं अकुशल श्रमिकों की आवश्यकता होगी, जो कि स्थानीय स्तर पर प्राथमिकता से लेकर उसकी पूर्ति की जाएगी, जिससे रोजगार में वृद्धि होगी । इसके अतिरिक्त परियोजना स्थापित होने से बहुत से अप्रत्यक्ष कारोबार यथा परिवहन इत्यादि में स्थापित होने से अप्रत्यक्ष रोजगार के अवसर भी बढ़ेंगे ।
3. स्थानीय लोगों को रोजगार में प्राथमिकता दी जायेगी ।
4. स्वच्छता पर विशेष ध्यान रखने की कंपनी की प्राथमिकता रहेगी ।
5. परियोजना स्थल में वृक्षारोपण हेतु निर्धारित स्थल एवं आसपास रिक्त स्थल पर वृक्षारोपण किया जाएगा ।
6. प्रदूषण नियंत्रण हेतु शासन द्वारा निर्धारित मानकों के अनुसार उनका पालन किया जाएगा ।
7. समय-समय पर गांव के विकास हेतु यथा संभव प्रया किया जायेगा ।



### उपस्थिति विवरण

- ① कु. नमिदा साहू श्री श्री दीप राम साहू - ग्राम: फे. मांडर -
- ② महेसा सुनका श्री श्री ए.ए. सुनका ग्राम: फे. मांडर -
- ③ आनंद साहू श्री श्री हरीनाथ साहू ग्राम: फे. टांडर -
- ④ हिरेन्द्र साहू श्री श्री वाराणसी साहू ग्राम: फे. टांडर -
- ⑤ ईश्वर साहू श्री श्री लखन साहू ग्राम - मांडर
- ⑥ नमन साहू श्री श्री लखन साहू ग्राम - टांडर
- ⑦ लखन साहू श्री श्री लखन साहू ग्राम - लखन
- ⑧ देव साहू श्री श्री आनंद राव साहू ग्राम - टांडर
- ⑨ लखन साहू श्री श्री लखन राव साहू ग्राम - लखन
- ⑩ श्रीमति राजेश्वरी लखन श्री श्री लखन लखन ग्राम - लखन
- ⑪ लखन साहू श्री श्री लखन साहू ग्राम - मांडर
- ⑫ Vijay Kumar Sahu Vill - Tenda
- ⑬ श्रीम. कुमार साहू ग्राम - टांडर
- ⑭ श्रीम. कुमार साहू ग्राम - लखन
- ⑮ श्रीम. कुमार साहू - टांडर
- ⑯ श्रीम. कुमार साहू - टांडर

